>

Title: Situation arising out of scanty rainfall in Bundelkhand, Uttar Pradesh and other parts of the country.

**श्री आर.के.सिंह पटेल (बांदा):** माननीय सभापति जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद दूंगा। आज पूरे उत्तर भारत में सूखे की स्थिति है। कई वर्षों से कम वर्षा होने के कारण पूरे उत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और विंध्यांचल श्रेणी में बसे हुए भूभाग का किसान अनाज का एक भी बीज अपने खेतों में नहीं डाल पाया है। सावन का महीना लग गया है और इस महीने में अभी तक किसान के घर से बीज खेत के लिए नहीं निकला है। कई सालों से वर्षा कम होने के कारण पहले से ही वहां के बांध, नदी, पोखरे, तालाब और झील सब सूख गये हैं और वाटर लैवल इतना नीचे पहुंच गया है कि वहां के हैंडपम्प और वहां की पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। पूरे बुंदेलखंड में सिंचाई के पानी की बात छोड़िये, पीने के पानी का भी भीषण अकाल पड़ा हुआ है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि यहां से एक जांच दल भेज दिया जाए या सांसदों का एक दल भेज दिया जाए। श्री राहुल गांधी ने इस क्षेत्र का दौरा किया था, उन्होंने उस आदिवासी बैल्ट का दौरा किया था। मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि वह इस समय दौरा कर लें और वहां के हालात देख लें। मैं अनुरोध करूंगा कि यहां से उस क्षेत्र के लिए स्पेशल पैकेज की घोषणा होनी चाहिए। वहां के किसानों के लिए भी स्पेशल पैकेज दिया जाए। इसके अलावा वहां पेयजल का गंभीर संकट है। सावन के महीने में पानी का भीषण संकट है। पशुओं और मनुष्यों के लिए पीने का पानी भी वहां नहीं है। मैं समझता हूं कि इससे बड़ी त्रासदी नहीं हो सकती है।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि उस क्षेत्र के लिए स्पेशल पैकेज दिया जाए और वहां के किसानों के हर प्रकार के ऋण माफ किये जाएं और वहां तुरंत पेयजल की व्यवस्था कराई जाए। वहां के किसान कई वर्षों के सूखे के कारण तबाह और बर्बाद हो चुके हैं। किसान की कमर टूट चुकी है।

**सभापति महोदय :** रिपीट मत कीजिए।

**श्री आर.के.सिंह पटेल :** इसलिए मैं अनुरोध करना चाहता हूं कि किसानों की हालत को देखते हुए वहां के किसानों के सारे कर्जे और लगान माफ किये जाएं और स्पेशल पैकेज देकर वहां तुरंत राहत पहुंचाई जाए। धन्यवाद।